निर्मोही नन्दलाल घणो तरसावे मतना पुराणी यारी हे रे सांवरा भुलावे मतना Bhajans Bhakti Songs

निर्मोही नन्दलाल
घणो तरसावे मतना
पुराणी यारी हे रे
सांवरा भुलावे मतना

पुराणी यारी हे रे सांवरा.....
मूलक मूलक कर दूर-दूर
से नित की जिव जलावे,
एक बार तो निडे सी

आकर क्यू ना बिण बजावे,
मेरे कालजे में आग लगावे
मतना पुराणी यारी हे रे सांवरा.....
नैना बरसे विरही तरसे,

तू तो सुध बिसराई,
बैरन नींद बड़ेरी राता
कइया होव समाई,

कन्हैया छीजे काया

जिव ने दुखावे मतना
पुराणी यारी हे रे सांवरा.....
दुनिया हांसे नित की
महासे चाले आड़ी-आड़ी

तू छिटका देवगो तो
चालेगी नहीं गाड़ी
मोटा सेठिया तू
रोल मचावे मतना

पुराणी यारी हे रे सांवरा.....
दु:ख हरता तू पालन करता
सांचो श्याम बिहारी
काशीराम चरण को चेरो,

अरज करे गिरधारी
थारो बालकियो हु
प्रीतड़ी घटावे मतना

Source: https://www.bharattemples.com/nirmohi-nandlal-ghano-tarsawe-matna/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw